भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
20.08.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4427 का उत्तर

भारतीय रेलवे का जैविक अपशिष्ट

4427. श्री आदित्य यादव:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भारतीय रेलवे स्टेशनों पर प्रतिदिन भारी मात्रा में जैविक अपशिष्ट का सृजन होता है; और

(ख) यदि हाँ, तो इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि जैविक अपशिष्ट को स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता है जिससे स्टेशनों की प्रकाश व्यवस्था और परिचालन कार्यों के लिए विद्युत प्रदान किया जा सकता है, सरकार द्वारा इस संबंध में प्रस्तावित पहलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): भारतीय रेल में, जैविक अपशिष्ट खानपान सेवाओं, यात्रियों के आवागमन के दौरान मानव अपशिष्ट, बागवानी आदि के माध्यम से उत्पन्न होता है।

भारतीय रेल द्वारा इस जैविक अपशिष्ट के प्रबंधन हेतु कई पहल की गई हैं, जिनमें उसे ऊर्जा में परिवर्तित करना भी शामिल है। की गई कुछ पहलें निम्नानुसार हैं:

- **यात्री डिब्बों में जैव-शौचालय स्थापित करके रेलगाड़ियों से मानव अपशिष्ट के सीधे डिस्चार्ज को समाप्त करना। जैव-शौचालय के प्रावधान का ब्यौरा (30.06.2025 तक) निम्नानुसार है:**

अवधि	लगाए गए बायो-शौचालयों की संख्या
2004-14	केवल 9,587
2014-25	3,33,191 (34 गुना से अधिक)

- **आवश्यकतानुसार, अपशिष्ट प्रबंधन हेतु स्टेशनों पर अपशिष्ट-से-ऊर्जा (डब्ल्यूटीई) और अपशिष्ट से खाद (डब्ल्यूटीसी) संयंत्रों की स्थापना करना। वर्तमान में, भारतीय रेल में 19 अपशिष्ट-से-ऊर्जा और 234 अपशिष्ट से खाद संयंत्र हैं।**
- **भारतीय रेल के अनेक स्थानों पर आवश्यकतानुसार मलजल शोधन संयंत्रों को स्थापित और कमीशन किया गया है। वर्तमान में, 142 मलजल शोधन संयंत्र स्थापित हैं।**
- **जैव निम्नीकरणीय अपशिष्ट और गैर-जैवनिम्नीकरणीय अपशिष्ट को स्रोत पर ही पृथक करने के लिए 725 स्थानों पर दो डिब्बों वाले कूड़ेदानों का प्रावधान किया गया है।**
- **स्थानीय परिस्थितियों, व्यवहार्यता और आवश्यकता के आधार पर स्थानीय रेल प्राधिकारियों और नगर निकायों के बीच अपशिष्ट निपटान के लिए समझौते किए गए हैं।**
- **अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित मामलों की निगरानी/संचालन हेतु क्षेत्रीय रेलों में समर्पित पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन (ईएनएचएम) विंग स्थापित की गई हैं।**

******